६

यीशु जीवित प्रभु

- यीशु का दफनाया जाना
- यीशु का जी उठना
- यीशु का अपनी योजना बतलाना
- यीशु का स्वर्ग को जाना
- यीशु का प्रतिज्ञाएं पूरी करना

यीशु का दफनाया जाना

अरमतिया का यूसुफ और नीकुदेमुस, जो धार्मिक अगुवे और विश्वासी थे, पीलातुस हाकिम से यीशु की लोथ को दफनाने की आज्ञा पाई। उनको मालूम हुआ कि यीशु मर चुका था क्योंकि एक सिपाही ने निश्चय करने के लिए उसके पसली में भाला मारा था। उन्होंने यीशु की लोथ को कफन में लपेट कर नई कब्र में रखा और मुंह पर एक बड़ा पत्थर रख दिया। नीकुदेमुस को यीशु का वचन याद आया: "वह अवश्य क्रूस पर चढ़ाया जाएगा।

> अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र ऊंचे पर चढ़ाया जाए। ताकि जो कोई विश्वास करे उसमें अनन्त जीवन पाए। परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।
>
> यूहन्ना ३:१४-१६

यीशु के बैरियों को याद था जो यीशु ने कहा था, "तीन दिन के बाद मैं फिर जी उठूंगा।" वे पीलातुस हाकिम से आज्ञा पाकर कुछ सिपाहियों को यीशु की कब्र की रखवाली करने भेजे ऐसा न हो कि कोई उसकी लोथ चुरा ले और कहने लगे कि वह जी उठा है।

उत्तर लिखें

१. यीशु को किसने दफनाया?
.....और.....

२. यीशु ने कहा था कि कितने दिनों के बाद वह फिर जी उठेगा?.....

३. यूहन्ना ३:१४-१६ में नीकुदेमुस को कहे यीशु के वचन को मुखाग्र करें।

यीशु का जी उठना

क्रूस की मृत्यु के तीसरे दिन रविवार की भोर को यीशु फिर जी उठा।

रविवार की भोर को पह फटते ही मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम कब्र को देखने आईः अचानक एक बड़ा भुईंडोल हुआ, क्योंकि प्रभु का एक दूत स्वर्ग से उतरा और पास आकर पत्थर को लुढ़का दिया, और उस पर बैठ गया।..... उसके भय से पहरुए कांप उठे और मृतक समान हो गए।

स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, "तुम मत डरो। मैं जानता हूँ कि तुम यीशु को जो क्रूस पर चढ़ाया गया था ढूंढ़ती हो। वह यहां नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है। आओ यह स्थान देखो, जहां प्रभु पड़ा था। और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि वह मृतकों में से जी उठा है।.....

और वे उसके चलों को समाचार देने के लिए दौड़ गईं। और देखो, यीशु उन्हें मिला और कहा, "तुम्हें शान्ति मिले।" उन्होंने पास आकर और उसके पांव पकड़कर उसको दण्डवत किया। मत्ती २८:१-९

उसी दिन यीशु ने अपने को पांच बार चेलों पर प्रगट किया। वह बन्द दरवाजे से भी कमरे में अन्दर या बाहर आ जा सकता था क्योंकि उसकी महिमामय देह थी।

> रविवार के दिन, संध्या के समय जब वहां के द्वार जहां चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब यीशु आया और बीच में खड़ा होकर उसने कहा, "तुम्हें शान्ति मिले।" यूहन्ना २०:१९

चेले पहले समझे कि वे भूत देख रहे थे। जब उन्होंने यीशु के शरीर को छुआ और यीशु ने उनके साथ खाया, तब उन्हें निश्चय हुआ कि वह सचमुच जी उठा है। एक चेला, थोमा उनके साथ उस समय वहां नहीं था। और यीशु के जी उठने पर विश्वास नहीं किया। अगले सप्ताह जब वे सब इकट्ठे थे, यीशु अचानक उनके मध्य फिर आ खड़ा हुआ।

> तब उसने थोमा से कहा, "अपनी उंगली यहां लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो। "यह सुनकर थोमा ने उत्तर दिया, "हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर।" यीशु ने उससे कहा, "तूने तो मुझे देखकर विश्वास किया है, धन्य वे हैं जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया।"
>
>
>
> यूहन्ना २०:२७-२९

यीशु के ये शब्द विशेषकर हमारे लिए हैं। हमें विश्वास करने के लिए वह जी उठा है, उसे देखना जरूरी नहीं। यीशु अपने चेलों को समय-समय पर चालीस दिन तक मिलता और उन्हें शिक्षा देता रहा। इसके विषय में उन्होंने धर्मशास्त्र बाइबल में लिखा। यीशु के जीवित होने की गवाही सुनकर चेलों के बैरी उन्हें कोड़े लगाकर जेलों में डालते थे। लेकिन वे जानते थे कि यह सच है। वे मरने को तैयार थे क्योंकि वे यीशु के जी उठने के गवाह थे।

उत्तर लिखें

४. हफ्ते के कौन से दिन यीशु फिर जी उठा?

.....

५. कितने दिनों तक यीशु अपने चेलों को दिखलाई देता रहा?.....

६. यीशु ने चेलों को क्या प्रमाण दिया कि वह भूत नहीं था?

..... क) उसके कहे शब्दों पर विश्वास करें।

..... ख) उनके साथ भोजन किया और अपने शरीर को छूने दिया।

..... ग) कोई प्रमाण नहीं दिया।

७. थोमा ने यीशु को क्या कहा?.....

.....

यीशु का अपनी योजना बतलाना

यीशु की यह योजना थी कि हर एक विश्वासी दूसरों को उसकी गवाही दे। यीशु ने कहाः

> "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी हैः मानना सिखाओ। मत्ती २८:१८-२०

यीशु जानता था कि **पवित्र आत्मा** की सामर्थ के बिना चेले उसकी इस योजना को पूरा करने में असमर्थ रहेंगे। इसलिए उसने कहा:

"यों लिखा है: कि मसीह दुःख उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा और सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार उसी के नाम से किया जाएगा।.....तुम इन सब बातों के गवाह हो.....और जब तक स्वर्ग से सामर्थ न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो।"

लूका २४:४६-४९

उत्तर लिखें

८. मत्ती २८:१८-२० और लूका २४:४६-४९ में लिखे यीशु के वचन को पांच बार पढ़ें।

९. यीशु की योजनानुसार सभी विश्वासी
..... क) राजनैतिक राज्य बनाएं।
..... ख) केवल उद्धार का आनन्द पाएं।
..... ग) यीशु के गवाह बन जाएं।

१०. यीशु के चेलों को उसके गवाह होने के लिए क्या आवश्यक है?
..... क) पवित्र आत्मा की सामर्थ
..... ख) सरकार की अनुमति
..... ग) अच्छे गिर्जाघर

यीशु का स्वर्ग को जाना

यीशु ने उनसे कहा....."जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे और यरूशलेम और सारे यहूदियों और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होंगे।" यह कहकर वह उनके देखते-देखते ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे आखों से छिपा लिया।

जब वे आकाश की ओर ताक रहे थे, तो देखो, दो पुरुष श्वेत वस्त्र पहिने हुए उनके पास आ खड़े हुए। और कहने लगे, "हे गलीली पुरुषो तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो? यही यीशु जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा उसी रीति से वह फिर आएगा।" प्रेरित १:७-११

जब चेले पवित्र आत्मा पाने के लिए यरूशलेम को लौटे, उन्हें यीशु के कहे ये शब्द स्मरण आए:

"मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने जाता हूं।..... और मैं फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहाँ मैं रहूँ वहां तुम भी रहो।"

यूहन्ना १४:२,३

उत्तर लिखें

११. यीशु स्वर्ग को कैसे गया?

..... क) वह शरीर से ऊपर उठाया गया।

..... ख) वह अन्तरिक्ष यान में गया।

..... ग) वह अदृश्य हो गया।

१२. यीशु ने क्या भेजने की प्रतिज्ञा दी?

..... क) चेलों के लिए ठहरें

..... ख) पवित्र आत्मा भेजें

..... ग) संसार पर राज्य करें

यीशु का प्रतिज्ञाएं पूरी करना

यीशु के स्वर्ग जाने के दस दिन बाद पवित्र आत्मा आया और विश्वासी सामर्थ से भर गए और वे बड़े हियाव से दूसरों को यीशु की गवाही देने लगे। वे जेलों में डाले गए, और पीटे गए परन्तु गवाही देना नहीं छोड़े। अपने प्राणों को बचाने के लिए यरूशलेम छोड़ दिया परन्तु जहाँ कहीं वे गए उद्धारकर्ता यीशु के सुसमाचार का प्रचार करते रहे। यीशु ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की। आज भी वह विश्वासियों को गवाही देने की शक्ति के लिए पवित्र आत्मा की सामर्थ से भरपूर करता है। यीशु अपने दोबारा आने की प्रतिज्ञा को भी पूरी करेगा। हम उसके शीघ्र आने की प्रतीक्षा में हैं।

> क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा, और जो मसीह में मरे हैं, वह पहिले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे कि हवा में प्रभु के साथ मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे। १ थिस्सलुनीकियों ४:१६-१७

यदि यीशु आज आए तो क्या आप उससे मिलने को तैयार हैं? यदि चाहें तो यह प्रार्थना करें।

प्रार्थना

प्रिय यीशु मैं आप को अपने जीवन का प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार करता हूं। दया करके मेरे सारे पापों को क्षमा कर। अपने पवित्र आत्मा से मुझे भर। मेरी सहायता कर कि दूसरों को तेरी गवाही दूं। तेरे आने तक चाहे मैं मरूं या जीवित रहूं, मुझे स्वीकार कर कि मैं तेरे साथ स्वर्गीय घर में सदैव रहूं।

आपका नाम .....

उत्तर लिखें

१३. १ थिस्सलुनीकियों ४:१६-१७ को पाँच बार पढ़ें। क्या आप यीशु के आने के लिए तैयार हैं। .....

बधाई !

अब आपने परमेश्वर की सर्वोत्तम भेंट को पूरी रीति से जान लिया है। यह हमारे लिए अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि आप हमारे विद्यार्थी हैं और आशा करते हैं कि आप आई सी आई यूनिवर्सिटी (इन्टरनेशनल कारेसपान्डेन्स इन्स्टीट्यूट) द्वारा और भी अधिक पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेंगे। आपने जो सीखा है उसे व्यवहार में लाने हेतु परमेश्वर आपकी सहायता करे।

कृपया "उत्तर पृष्ठ" जो कि पृष्ठ 45 से 52 तक हैं उन्हें सावधानी से अलग निकाल ले तथा उन्हें पूरे लिखकर नीचे दिए गए पते पर हमें वापस भेज दें। हम इसको जांचेंगे और फिर आपको एक सुन्दर प्रमाणपत्र भेजेंगे। कृपया लिफाफे पर उचित मूल्य की डाक टिकट लगाएँ। इससे आगामी पाठ्यक्रम में आपका नामांकन करने में हमें सहायता मिलेगी।

आई सी आई युनिवर्सिटी
(इन्टरनेशनल कारेसपान्डेन्स इन्स्टीट्यूट)
पोस्ट बैग नं. 1, एन्ड्रयूज गंज,
नई दिल्ली-110 049